राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

सहज
(अवधी भाषा)

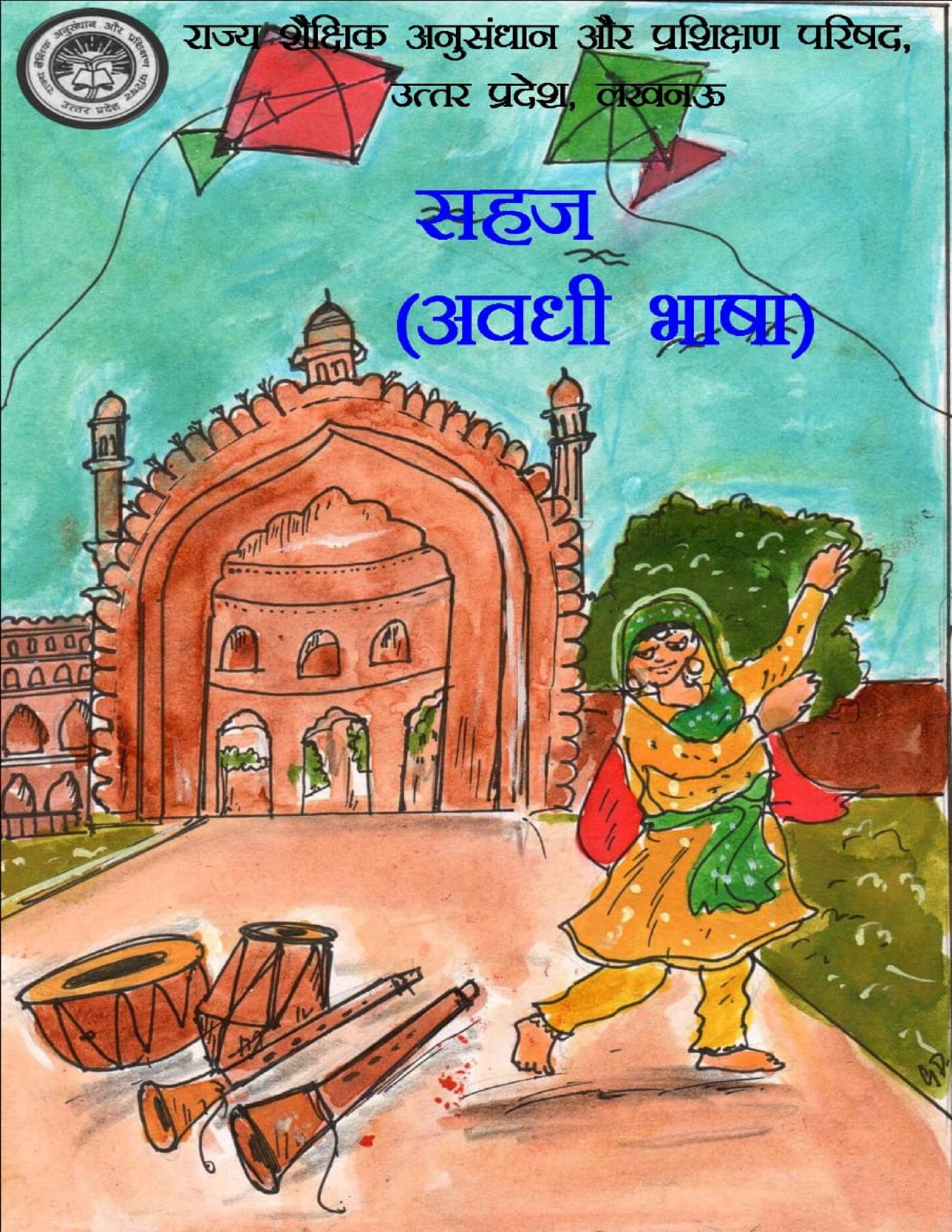

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

सहज
(अवधी भाषा)

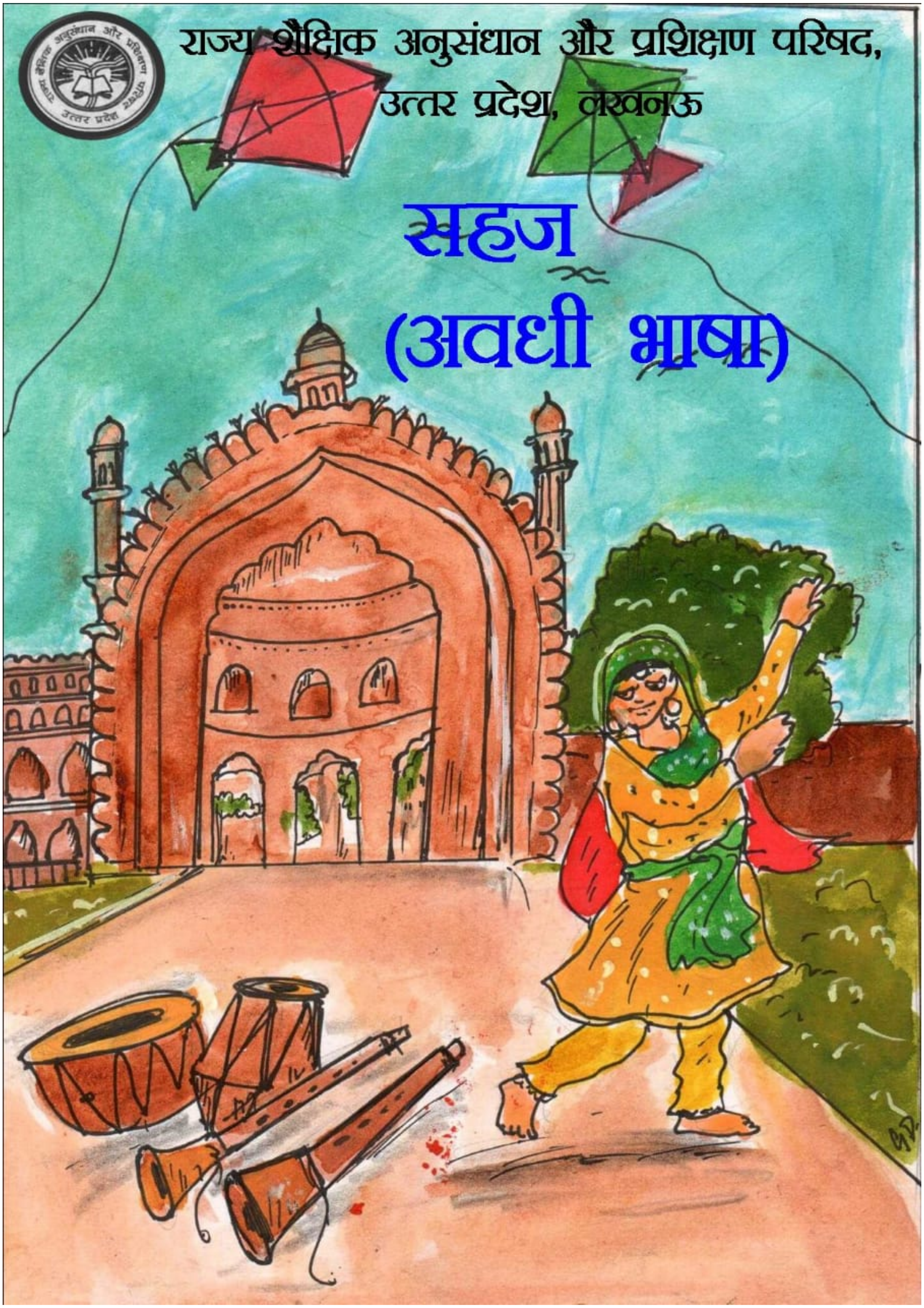

आपन देस

AGT71A

सबसे सुंदर आपन देस

चांदी सोना जइसन देस

ऊंच पहाड़न वाला देस

बढ़िया माटी वाला देस

आँखिन कै तारा यह देस

आपन सबकै प्यारा देस

शब्दार्थ

आपन -अपना **जैसन** -जैसा **माटी**-मिट्टी **आखिन** -आखों का

बगिया

MDF1Q6

ई चित्र देखि कै बताऊ तुमका का का देखात है

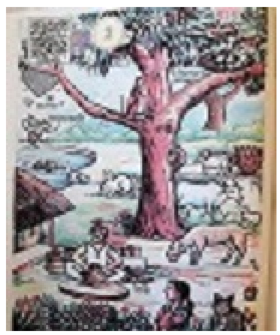

अभ्यास

- **जोड़ा बनाऊ –**

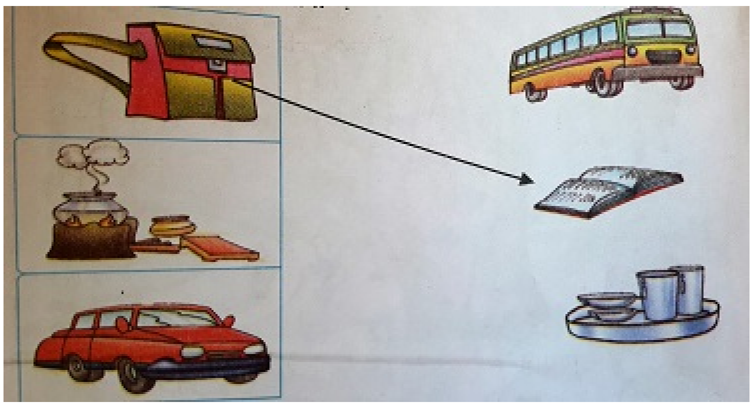

- **मीठू मिठाई खाय चली ,रस्ता मा उका का –का मिला**

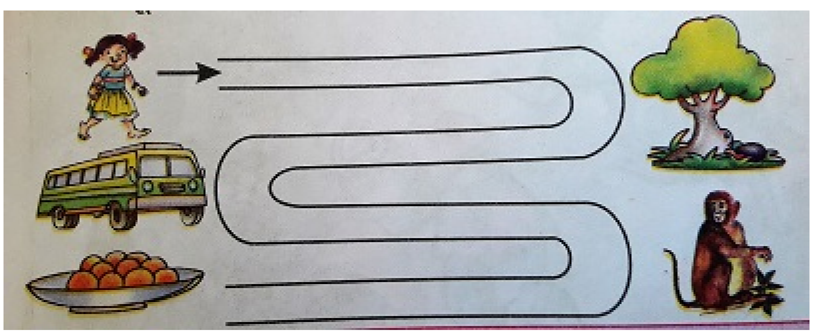

- **अच्छा ईमा कौन कम कौन जादा -**

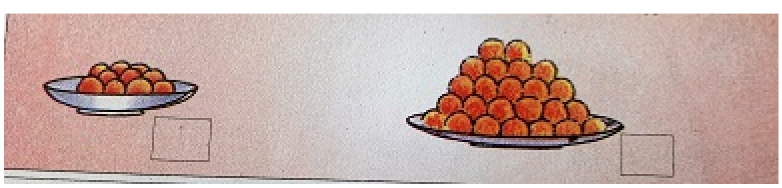

- **झूला से दूर को है –**

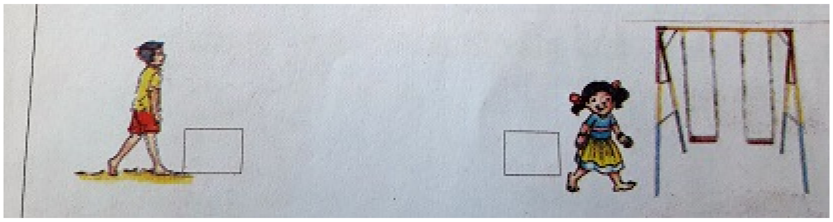

- **इमा बड़ा को है**

- इमा कौन वजन है –

- ईमा कौन उप्पर कौन नीचे -

- इमा कौन अंदर कौन बाहर

- इमा को आगे को पाछे –

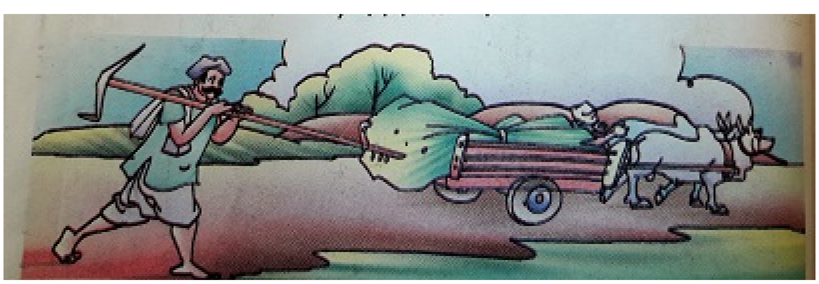

पाठ 3

ZA1VF2

ई तलवा मा तुम का का देखत हौ ---

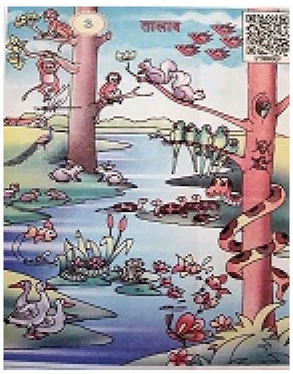

देखौ औ गिनौ-

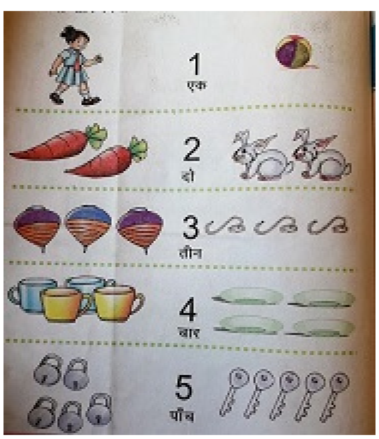

पाठ 4 भवा भिनौखा

C6MQ4X

भवाभिनौखा चिरई बोलय

लरिका सोय कै आंखी खोलय

नीक लरिकवा मंजन करंयी

मंजन करिकै कुल्ला करयीं

कुल्ला करय मुंह धोंव रोज

मलि मलि दहें नहावे रोज

नहाय धोय कै खाना खावैं

फिर अपने स्कूले जावैं

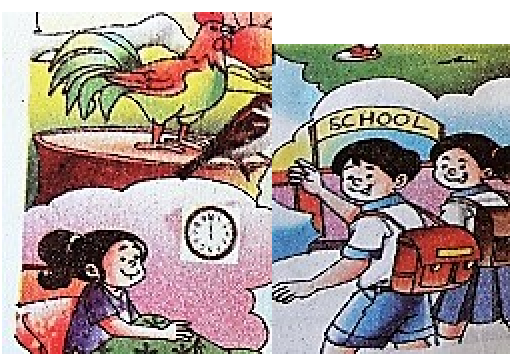

शब्दार्थ

भवा -हुआ ,**भिनौखा** -सुबह
चिरई -चिड़िया ,**नीक** -अच्छे

पाठ 5 -लिखै कै तैयारी

P39JTT

- **अंगूरी फेरौ-**

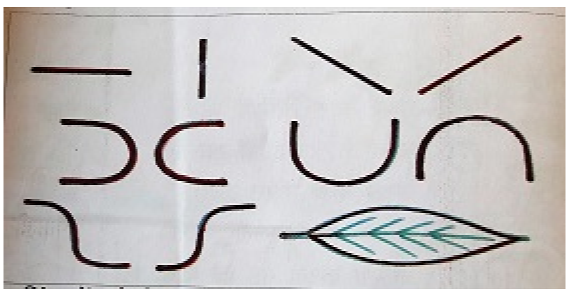

- **अंगुट्ठा की छाप से तुमहूँ बनाऊ-**

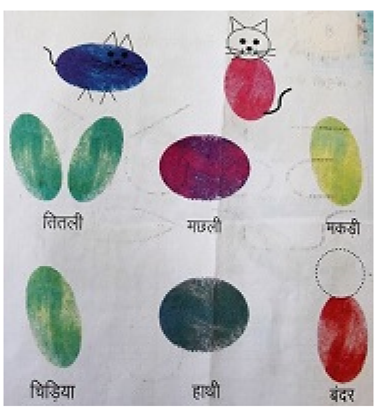

वर्णमाला

DVH98K

अ -अजगर

अजगर देखे लगे न जाव

आ-आलू

आलू भूजौ भरता खाव

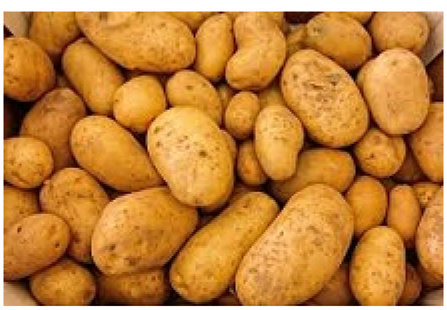

इ-इमली

इमली मुंह मा पानी लावै

ई -ईंटा

ईंटा से स्कूल बनावैं

उ-उल्लू

उल्लू आँख बनावत है

ऊ -ऊन

ऊन जाड़ भगावत है

ऋ-ऋषि

ऋषि मुनी ज्ञानी जन होंय

ए -एड़ी

एड़ी रगरौ खूब नहाव

ऐ-ऐनक

ऐनक आंखी मा लगवाव

ओ-ओखरी

औ-औरत

औरत है घर कै पहिचान

अं-अंगूठा

अंगूठा है हाथे कै जान

अः

क -कलम

कलम लिखे के आवय काम

ख -खटिया

खटिया बैठ सब लिय ेंघाम

ग -गमला

गमला मैहां तुम फूल लगाऊ

घ -घड़ा

घड़ा कै पानी सबका पियाऊ

ङ----

च -चरखा

चरखा से कपड़ा बनि जावे

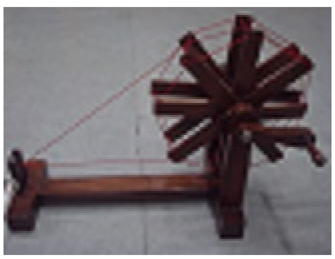

छ -छतुरी

छतुरी गर्मी जाड़ बचावै

ज-जल

जल मा मछरी रहै लुकान

झ-झंडा

झंडा अपने देस कै सान

ञ

ट-टटिया

टटिया घर मा देव लगाय

ठ-ठग

ठग से दूर रहव तुम भाय

-डमरू

डम-डम डमरू बाजत है

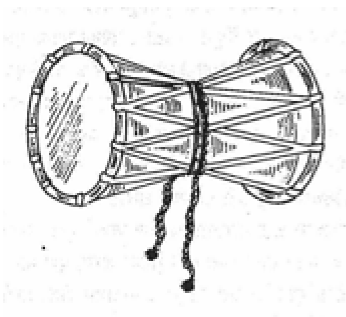

ढ-ढक्कन

ढक्कन बरतन ढाकत है

त-तपता

तपता तापै भागै जाड़

थ-थरिया

थरिया मा हम खाई भात

द-दतून

दतून कूंचि कै मांजौ दांत

ध-धान

धान कूटि कै भात बनाऊ

न-नलका

नलका से पानी भर लाऊ

प-पनही

पनही पहिरि कै खेते जाऊ

फ-फरुहा

फरूहा से तुम मड़ें बनाऊ

ब-बकरी

बकरी बांधे पै मिमियाय

भ-भड़ भूजा

भड़ भूजा भूजा देय बनाय

म-मछरी

मछरी पानी मा जीवन पावै

य-यमुना

यमुना नदी गोकुल के तीर

र-रथ

रथ पै किसन कन्हैया वीर

ल-लड़की ,लड़का

लड़की-लड़का सबै पढ़ाऊ

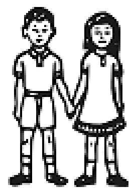

व-वकील

वकील साहेब नियाय देवाऊ

श-शलजम

शलजम चीकन चीकन होय

ष-षटकोण

षटकोण बड़ा सुंदर होय

ह-हाथी

हाथी सूंड हलावत है

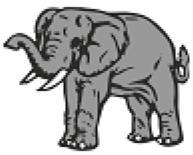

क्ष-क्षत्रिय

क्षत्रिय तलवार चलावत है

त्र-त्रिभुज

मीना त्रिभुज बनावत है

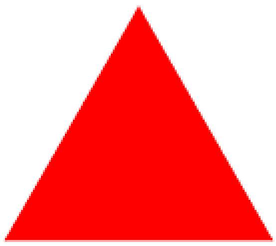

ज्ञ-ज्ञानी

ज्ञानी ज्ञान बतावत है

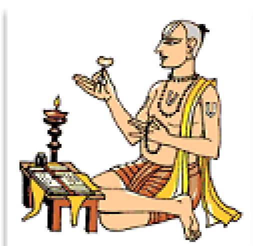

पतंग

सर सर सर सर उड़ी पतंग

फर फर फर फर उड़ी पतंग

यहिका काटिस वहिका काटिस

दौरि दौरि कै रस्ता वापिस

आसमान मा लड़े पतंग

डोरी कटतै गिरय पतंग

सर सर सर सर उड़ी पतंग

फर फर फर फर उड़ी पतंग

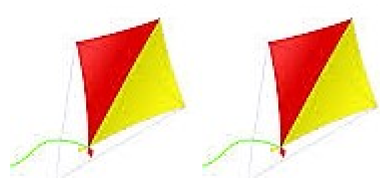

यहिका -इसको ,**वहिका**-उसको ,**काटिस**-काटा **दौरि**-दौड़ कर

अभ्यास-

- पतंग कैसे उड़ी ?
- केतने बच्चन के पास पतंग रही ?
- केतने रंग की पतंग रही ?

- केतनी पतंग कटीं ?
- 5 ऐसे शब्द बताऊ जीमा' र' आवत होय ----जैसे अजगर ,मटर.................
- इमा खाय वाली औ खेलै वाली चीज ढूंढ कै बताऊ

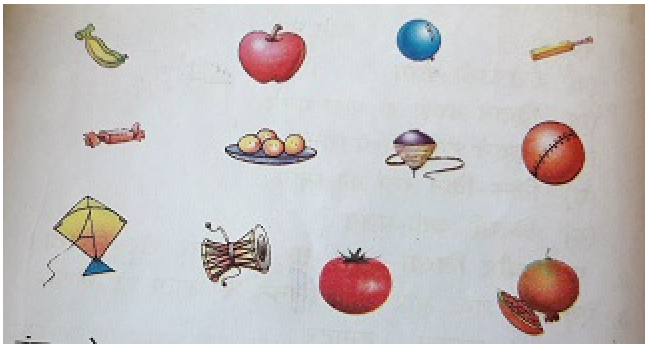

केत्ता सीखेव

- को उप्पर -   को नीचे

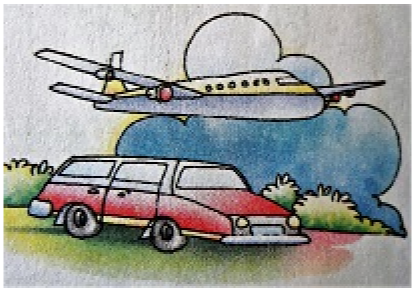

- को भित्तर को बाहर---

- देखव ,गिनौऔ मिलाऊ –

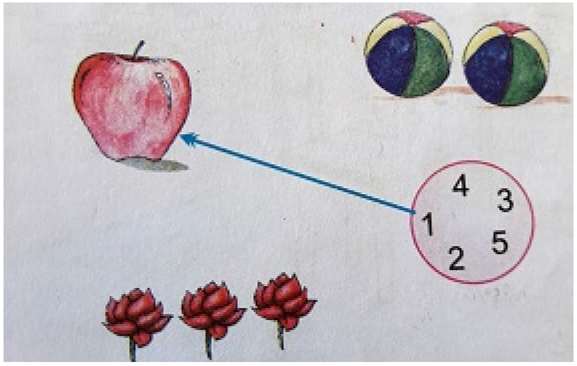

- **देख कै पूर करौ ----**

- **.....नार**

.........तंग

.........र

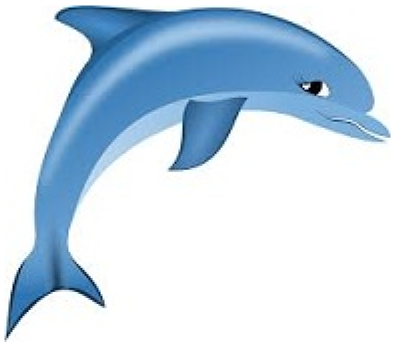

............**छरी**

रसोई

-
- ई दूनो रसोई मा अंतर खोजौ ---

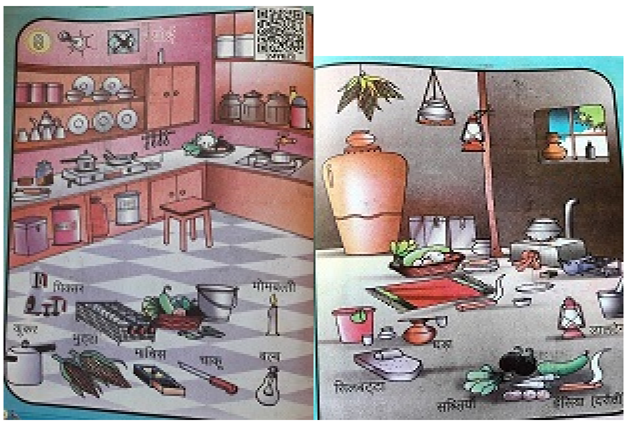

अभ्यास

- रसोई मा कौन कौन चीजैं धरी हैं,उनकै नाम बताऊ औ गिनौ कुल केत्ते सामान
- गिनौ औ बताऊ---

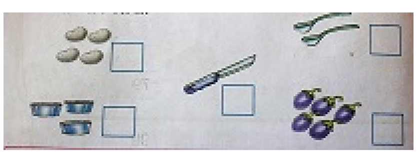

बारह खड़ी

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः

बत्तख औ चूजा

97HHXY

अंडा से बतख कै बच्चा निकरा ,लेव हम आय गएन ,बतख कै बच्चा बोला !

दुसरे अंडा से मुर्गी कै चूजा निकरा ,लेव हमहूँ आय गएन ,चुजौना बोला

बतख कै बच्चा बोला ,"हम घूमय जाईत है,चूजा बोला हमहूँ घूमय चलब

बतख कै बच्चा बोला हम गड़हा खोद रहे हन ,चूजा बोला हमहूँ गड़हा खोदब

बतख कै बच्चा बोला हमका एक केंचुआ मिला ,चूजा बोला हमहूँ का एक केंचुआ मिला

बतख कै बच्चा बोला ,हम तैरा चाहित है ,चूजा बोला हमहूँ तैरा चाहित है

बतख कै बच्चा बोला ,"देखव हम तैर रहे हन "चूजा बोला देखव हमहूँ तैर रहे हन .

चुजौनू गम्म से पानी मा कूद परे ,तैरय जानत नहीं रहे ई मारे डूबय लाग औ चिल्लान ,''बचाऊ ,बचाऊ "

बतख कै बच्चा डूबत चूजा का पानी से निकारिस

बतख कै बच्चा चूजा से बोला ,अब बताऊ ज्वान ,का हाल है ?

चुजौना कहिस ....(अब तुम पंचे बताऊ का कहिस होई चूजा ?)

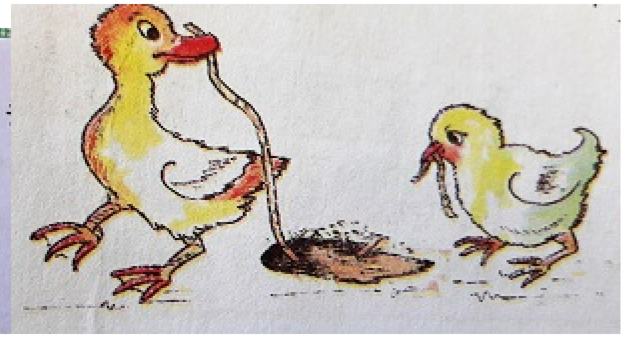

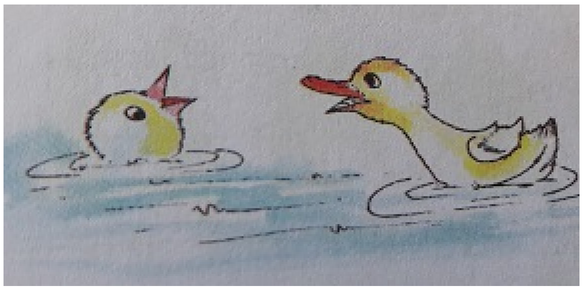

शब्दार्थ

निकरा -निकला **लेव** -लो **आय** -आ **गएन**-गया **गड़हा**-गड्ढा **खोदब**-खोदूंगा **तैरब**-तैरना **गम्म से** -तुरन्त

अभ्यास

- नकल करब चूजा पै कैसे भारी परा ?
- चूजा पानी मा कैसे डूबै लाग ?
- बतख कै बच्चा चूजा की जान कैसे बचायिस ?
- गिनौ औ लिखव –
- 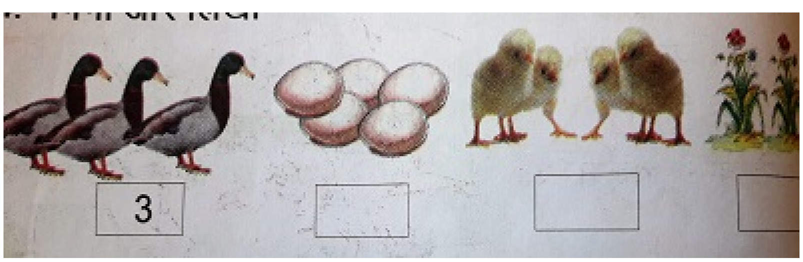

सैर सपाटा

गदें ,छतुरी औ डेब्बा तीन जने व्यवहारी रहे ,तीनौ ऊंच पहाड़ी पै घूमय चले .रस्ता मा चार पांव वाला चौगड़ा मिला ,चारव जने घूमय चल दिहिन ,आगे चल कै पांच कोने वाला तारा मिला ,पाँचव घूमय चल दिहिन .और आगे चलय पै छ टांग वाली चूंटी मिली ,छहौ जने घूमै चल दिहिन ,रस्ता मा सात छल्ला वाली इल्ली मिली ,सातव जने घूमय चल दिहिन ,आगे आठ पांव वाला मकरा मिला आठौ जने घूमै चल दिहिन ,आगे नौ बिंदी वाली तितुली मिली ,अब ई नौ के नौ चलि कै पहाड़ी पै अटिगे सब खूब कूद कूद कै खेले औ मजा किहिन

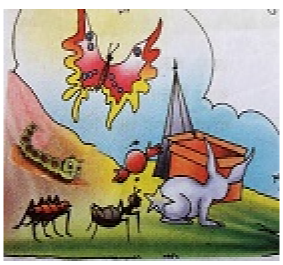

शब्दार्थ

छतुरी -छाता **व्यवहारी** -मित्र **चौगड़ा**-खरगोश **दिहिन**-दिया **चूंटी** -चींटी **मकरा**-मकड़ा **तितुली** -तितली **अटिगे**-पहुंच गये

अभ्यास

- बताऊ पहाड़ी पै सबसे पहिले घूमय को को निकरा ,औ उनका रास्ता मा को -को मिला ?

- गिनौ औ लिखौ –

- एक जगह एकट्ठा करौ –

3 गगरा –

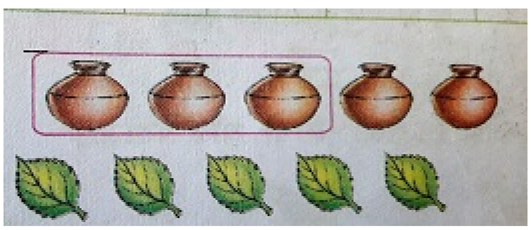

4 पाती ?

- **बताऊ का होई अगर ----**
- गदें हेराय जाई तौ ---क्रिकेट न खेल पयिबै
- गिलास हेराय जाई तौ ?
- पेन हेराय गवा तौ ?
- मोबाइल फोन हेराय गवा तौ ?

गिनव औ बताऊ

पेड़ से झुरान डांड़ गिरि परी ,जबरू दौरि कय उठाय लिहिस औ छोट छोट टुकड़ा बनाय डारिस ,सब टुकड़ा मिलाय कय यक गठ्ठर बनाय लिहिस

<u>मिलाना – मतलब जोड़ना –</u>

-
- तुमहू ँजोड़व औ बताऊ कुल केतने

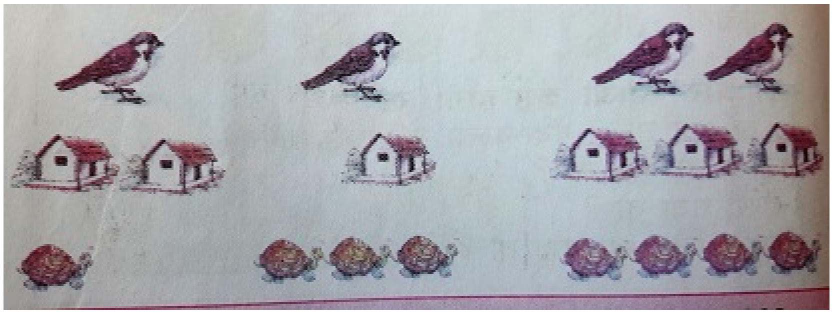

- *कुल मिलाय कै केतने-*

- **घटाना माने कम होब –**

अम्मा आवाज दिहिन –छुटकी .तीन टमाटर तूर लाऊ .छुटकी बाहर गई ,बिरवा पे चार टमाटर लाग रहे ,तीन तूर लिहिस केत्ते गुब्बारा बचे –समझौ औ करौ-

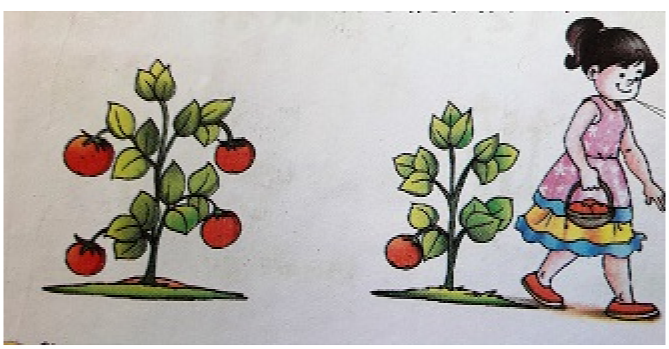

स्टेशन

AWC22L

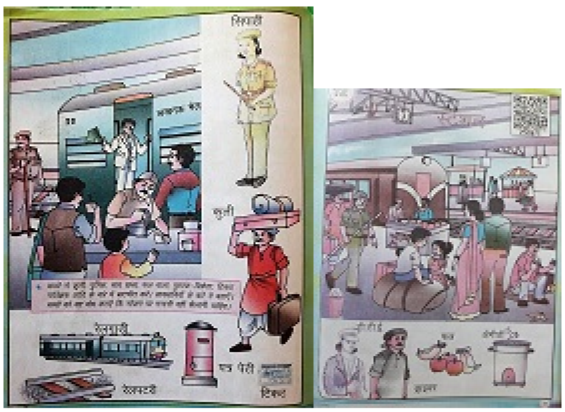

अभ्यास

- स्टेशन के चित्र मा जौन नहीं है ऊ का खोजौ ---
- स्टेशन पै को का कर रहा है ?
- स्टेशन पै का गलत हुइ रहा है ? देखि कै बताऊ ?

- **ई चित्र मा देखि कै बताऊ ---**

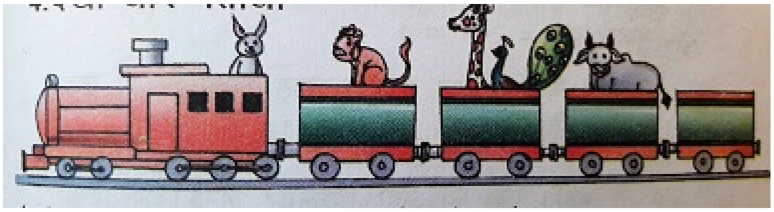

- इंजन के तिसरे डब्बा मा को बैठ है ?
- बांदर कौने डब्बा मा है ?
- चित्र मा और को को है ?
- खाली डब्बा मा कीका बैठैहौ ?
- तुम कौने डब्बा मा बैठिहौ ?औ काहे ?

उड़े गुब्बारे

GF4LD8

नीतू गई बजार ,खरीदिस गुब्बारा चार

आई तेज बयार ,उड़गा यक गुब्बारा

अब बचे कतने गुब्बारा ,४ म से यक गायब

वहिकय यक गुब्बारा चिरई लई गय

अब तीन म से यक गवा ,बाकी बचे दुई गुब्बारा

नीतू कय यक गुब्बारा फूटि गवा

अब दुय म से यक गायब तौ बाकी बचा यक

अब जउन बचा रहा उका नीतू उड़ाय दिहिस

अब १ म से यक गायब बचा यक्कव नहीं

अब केतने ?

एक्कौ नहीं बचे ईके मतलब **-शून्य**

शून्य कै जोड़

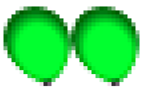 + **शून्य** = 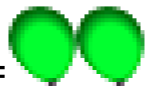

+ शून्य =

शून्य कै घटाना

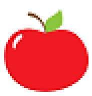 **- शून्य =**

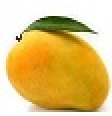 **-** 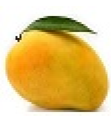 **= शून्य**

जया ,जगत औ जुगनू

TBQG34

जया औ जगत मैदान मा खेलत रहे ,खेलत खेलत अंधेर हुई गवा ,दूनो घर की कैती चलि दिहिन .साँय साँय हवा चलत रही ,तब्बै पाछे से आवाज आई झों-झों-झों. दूनो डराय गए ,पीछे देखिन तौ कुछ नहीं रहा , तब्बै सामने एक करिया करिया चीज देखाई परी. नंगीचे जाय के देखिन तौ एक झाड़ी रही .झा ड़ी हवा से हालत रही . उइ दूनो तेजी से चले लागे , तब्बै पीछे से आवाज आई – खटर-पटर.खटर -पटर कै आवाज तेज हुय गै , देखिन तौ एक गैया तेजी से दौरत आवत रही. गाय भागत भागत आगे निकरि गै. अब दूनौ हसँै लागे ‘हम डेराय काहे गयेन ? तब्बै एक जुगनू जगमग जगमग करत आवा ,अरे वाह उजेर – जया और जगत बोले .

शब्दार्थ

अंधेर -अधँेरा **गवा**-गया **हुइ**-हो **दूनौ**-दोनों **कैती**-तरफ **तब्बै**-तभी **पाछे** -पीछे **करिया**-काला **नंगीचे** -नजदीक **गै**-गई **गैया**-गाय **उजेर** -उजाला

अभ्यास-

- जया औ जगत काहे डेराय गए ?
- तुम कब डेरानेव रहै ?कीसे डेरानेव रहै ?
- जुगनू जया औ जगत कै कैसे मदद किहिस ?
- **इनकी आवाज निकारौ**-मुर्गा ,गैया ,छगड़ी ,बिलार ,कूकुर ,कौवा ,कबूतर
- कुछ चीजन कै नाम बताऊ जिनसे घर मा उजेर होत है
- कुछ चीजन के नाम बताऊ जिनसे घर से बाहर उजेर होत है

दादा जी

68CARZ

गाडी की आवाज सुनिकै गेदहरा घर से बाहेर निकरि आये . दादा आइगे – दादा आइगे सब चिल्लाय लागे .

बच्चा लोग – प्रणाम दादा जी

दादाजी – खुश रहौ बच्चा

गोलू-कउन -कउन बिरवा लाये हौ दादा जी .

दादा जी –आम ,नीम ,जामुन औ कटहर कै बिरवा लाये हन ,गोलू .

नीलू –हम सब मिलिकै बिरवा लगैबै.

दादा – हाँ, सब जने लगायेव

गोलू –ई बिरवन पै तौ बहुत दिन बाद फल अइहैं दादा जी .

आज जउन बिरवन कै फल हम खाईत है,   वहू बिरवा कोई न कोई लगाईस होई .

सब बच्चे –हाँ हम ई सब बिरवन का रोज पानी देब खूब देखभाल करबै .

दादा जी- साबाश हमार पुतवा .

शब्दार्थ

गेदहरा -बच्चे **निकरि**-निकले
कउन-कौन **-बिरवा** -पेड़
लगैबै - कटहर- **वहू**-वह
जउन-जो **अइहैं**-आयगें
लगायिस-लगाया **हुइहै**-होगा

अभ्यास

- अपने आस पास के 5 बिरवन के नाम बताऊ ?
- बिरवा हमरे कौने कौने काम आवत हैं?
- बिरवा लगावै के समय कौन कौन बातन कै ध्यान राखै का चाही ?
- **सही शब्द चुनौ औ पूर करौ ---**
- गड़हा मा बिरवा ....लगावै का चाही .(टेढ़वा /सीध)
- बिरवा कै देखभाल करब ....है (जरूरी /जरूरी नाहीं)
- हर काम खाली अपने खत्तिर .... का चही (करै /ना करै)

- **चित्र का देख कै बताऊ –**

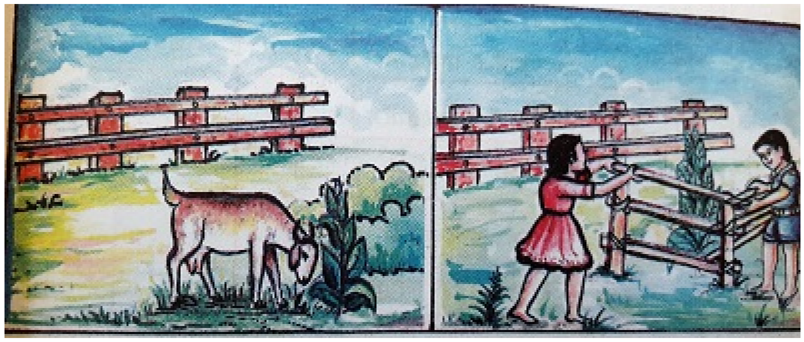

- बच्चा का करत हैं?
- यू काम बच्चा लोग काहे करत हैं?

इकाई-दहाई

I4Y5GV

रोली अपने बप्पा के साथै बजार गै .बप्पा दुकनदार का दस रुपया कै नोट औ एक सिक्का दिहिन .रोली सोंचै लाग कि **बप्पा केतने रुपया दिहिन** ? ऊ जानत रही कि नौ मा एक जोड़व तौ दस यानी एक दहाई होत है ,मुला एक दहाई से आगे का होत है ?

- 1 दहाई + 1 इकाई = 11
- 1 दहाई + 2 इकाई = 12
- 1 दहाई + 3 इकाई = 13
- 1 दहाई + 4 इकाई = 14
- 1 दहाई + 5 इकाई = 15
- 1 दहाई + 6 इकाई = 16
- 1 दहाई + 7 इकाई = 17
- 1 दहाई + 8इकाई = 18
- 1 दहाई + 9 इकाई = 19
- 2 दहाई +0 इकाई = 20
- **छूटी गिनती लिखौ**
- 10 ...12......15....17......20
- 20.....17....14.....12......10
- **ठीक बाद वाली गिनती लिखौ---**
- 13......,17........,19......
- **ठीक पहिले वाली गिनती लिखौ**
- ----8,......15,.......17
- **जोड़ कै बताऊ-**

- 12 + 5 =
- 14 + 3 =
- **ईमा से बड़की गिनती कौन**
- 11 , 16
- 24 , 32
- 34 , 23
- **ईमा से छोट गिनती कौन**
- 12,16
- 23, 11
- 34 ,15
- गुड्डी के लगे 7 पेन्सिल हैं औ सोनी के लगे 8 पेंसिल हैं बताऊ दूनो के लगे कुल केतनी पेंसिल हैं ?
- गीता बजार से 10 केला लाई ,4 केला अपने भाई कया दै दिहिस ,बताऊ केतने केला बचे ?
- केतने बचे-12 केला रहे 8 बंदरवा लै कै भाग गवा ,केतने केला बचे ?

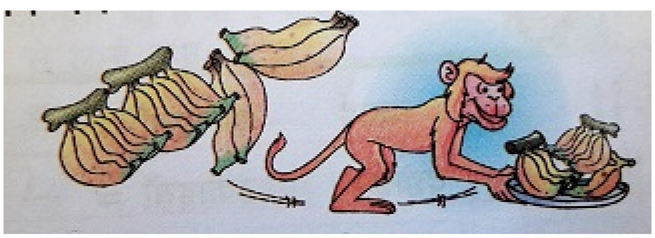

लता कै कक्षा

लता की कक्षा मा देवार पै गिनती लिखी है जीमा कुछ गिनती मिट गई हैं---बताऊ कौन गिनती मिटी हैं?

- 1..2.....5....8......13.....16.....17......20...
- 21 ,22........25.........29,
- 30 ......33........36......
- 40....42..........
- 45.....48.....50
- **आऊ खेला जाय ---**

एक पांसा लै लेव ,आपन आपन गिट्टी 99 पै धरौ .पांसा फैकौ जेतनी गिनती आवै ओतनी गिन कै आगे बढौ ,अगर बांदर वाले खाना पै गिट्टी पहुँची तौ 3 खाना पाछे जाय का परी औ अगर बिलार वाले खाना पै गिट्टी जाई तौ 4 खाना पाछे जाय का परी औ अगर सेब वाले पै गिट्टी गै तौ 7 खाना आगे जैहौ तौ फिर औ ज्वान खेला जाय

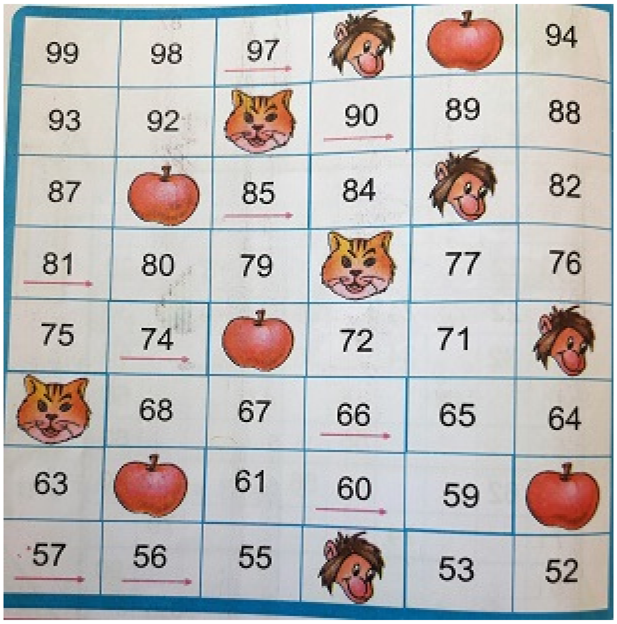

अभ्यास

- **ई गिनती छोट से बड़ी लिखौ**
- 36, 93, 66
- 67, 87, 5
- **दीन गई गिनती बड़ी से छोट लिखौ**
- 76, 54 ,98
- 65, 34, 55

जाड़ा ,गरमी औ बरखा

7X6TVM

कट कट कट कट बाजय दांत
मुंह से निकरि न पावै बात
थर थर थर थर कांपी हम
जाड़े महैं ठिठुरी हम

आसमान से बरसै आग
भुईयां जरे तवा जस लाग
आऊ खाई बरफ मलाई
गरमी आई गरमी आई

बूदँ गिरैं जब छम छम छम
बिजुरी चमकै चम चम चम
पानी बरसय टप टप टप
चलव नहाई छप छप छप

शब्दार्थ

बाजय-बजना **निकरि**-निकलना **पावै**-पाना **मैहां**-में **बरसै**-बरसे **भुइयां**-जमीन **जस** -जैसे **लाग** -लगना **आऊ**-आईये **खाई**-खाना
बिजुरी-बिजली **चलव**-चलो

अभ्यास

अच्छा बताऊ कौन मौसम-

- राजू **रेनकोट** अपने स्कूल मा छोड़ आवा
- कमलेश **कम्बर** ओढ़ कै सोय गवा
- अम्मा कहिन-बाहर न जाव,**लूक** लाग जाई
- **अच्छा बताऊ कि जाड़ा ,गर्मी बरसात मा का करै का चाही औ का ना करै का चाही**
- जाड़ा
- गर्मी
- बरखा
- जया का जाड़ा मा कुछ दिन के खत्तिर बाहर जाय का है , ऊ अपने झोला मा का का रख लेय

अच्छा बताऊ कि तुमका गरमी मा का खाय पियय कै मन करत है औ सरदी मा का खाय पियय कै मन करत है

मापन

DFYE79

फातिमा अपने अब्बा की दूकान मा सामान बचेंय मा मदद करत रही .यक किसान पांच हाथँ लम्बी रसरी मांगत है ,वहिके अब्बा हाथँ से नापि कय पांच हाथँ कय रसरी देत हैं. फातिमा सोंचय लाग- का यह मेर से नापा जाय सकत है ,ऊ अपने अब्बा से पूछँत है का हम लम्बी चीज का हाथँ से नाप सकित है ?हाँ बिटिया ,लम्बी चीजन का यहू मेर से नापा जाय सकत है ,जईसन हाथे से ,बीता से ,अंगुरी से औ कदम से नापा जाय सकत है

शब्दार्थ -

बेंचय-बचेंने ,**रसरी** -रस्सी, **वहिके**-उसके ,**सकत हौ** -सकते हो, **यहू** -इस **,मेर** -तरह

अभ्यास

- **अब तुमहूँ नापौ औ लिखौ ----**
- अपने घर से बगल वाले घर के दूरी (कदम से नापौ)-----
- अपनी किताब कै लम्बाई (बित्ता से)---
- अपनी पेंसिल कै लम्बाई (अंगुरी से).....
- अपने कमरा कै लम्बाई(हाथ से)................
- **नीचे दीन गई लम्बाई काहे से नपिहौ--**
- अपने पेन कै लम्बाई ----
- अपने बल्ला कै लम्बाई ------
- अपने स्कूल के मैदान कै लम्बाई
- टाट पट्टी कै लम्बाई -

चंदा मामा घर का आयेव

चंदा मामा घर का आयेव

अपने साथ घरे लै जायेव

है हमारि काल्ह से छुट्टी

ना अयिहौ तौ हुईहै कुट्टी

चंदा मामा लड्डू खांय

आसमान की थरिया मा

मुला पियैं उइ पानी भैया

हमरी छोट कटोरिया मा

थपकी दै दै कै जब अम्मा

हमैं सोवावें रात मा

बात करत करत चंदा मामा से

हम तौ सोई बात बात मा

शब्दार्थ

आयेव-आना **जायेव**-जाना **काल्ह**-कल **खांय**-खाना **थरिया**-थाली **मुला**-लेकिन **कटोरिया**-कटोरी **करत** -करता है

अभ्यास—

- बच्चा चंदा मामा से का कहत है ?
- चंदा मामा लड्डू काहे मा खात हैं?
- बच्चा कीसे बात करत करत सोय जात है ?
- **अच्छा तुम कौन दुकान कै मिठाई खैहौ ?**
- 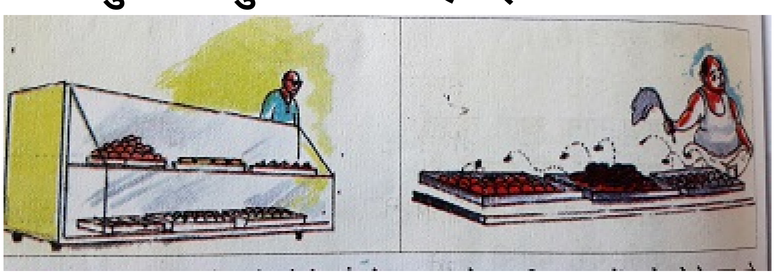
- ईमा **कौन चीज सरकत है औ कौन चीज लुढ़कत है**

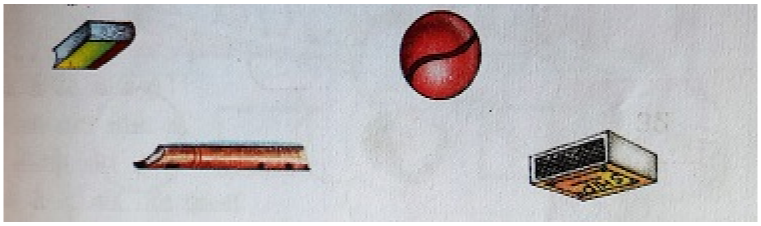

मीना की दुकान

3973L1

अमन आज बहुतै जादा खुस्स है .आगरा से वहिके चाचा आये हैं,साइँझा बेरिया रेशमा ,डाली ,मोहित औ तनू चाचा से मिलय आयें,चाचा सब बच्चन का लैके मीना की दूकान पै खेलौना खरीदय गये ,मीना की दूकान पै हर खेलौना का दामव लिखे रहे

नोट पहिचानौं-

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
5
पाँच रुपये
LeftoverCurrency.com

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
45B 212740
₹10
10
दस रुपये
45B 212740

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
12H 796260
20
बीस रुपये
12H 796260

₹100

भारतीय रिज़र्व बैंक
दो सौ रुपये
RESERVE BANK OF INDIA
0AA 000000
₹200
SPECIMEN

₹2000

जूही कै जनम दिन

F5SXAW

स्कूल मा जूही कै जनम दिन मनावा गवा ,जूही स्कूल से घर लौटी

जूही –नमस्ते अम्मा ,हम आय गएन

अम्मा –जियत रहव बच्चा ,का भवा आज तुम्हरे स्कूले मा ?

जूही –आज तौ मजा आय गवा अम्मा ..

अम्मा –अच्छा ! कैसे ?

जूही –आज स्कूल मा हमार औ वैभव कै जनमदिन मनावा गवा

अम्मा –अरे वाह ,कैसे मनावा गवा ,बताऊ तनिक .

जूही –जैसेन हम कक्षा मा पहुंचेन ,दीदी तुरंतय बधाई दिहिन

अम्मा –यू तौ बड़ा नीक भवा

जूही –हाँ अम्मा ,फिर दीदी हमका मिठाई खवाईन ,टाफी दिहिन ,सब बच्चा ताली बजाईन ,गाना गाइन औ नाचे

अम्मा –तब तौ तुम पंचेन का बड़ा मजा आवा होई ,तुम्हरे बप्पा अब्बय तुम्हरे खत्तिर मिठाई लैकै आवत हुइहैं.

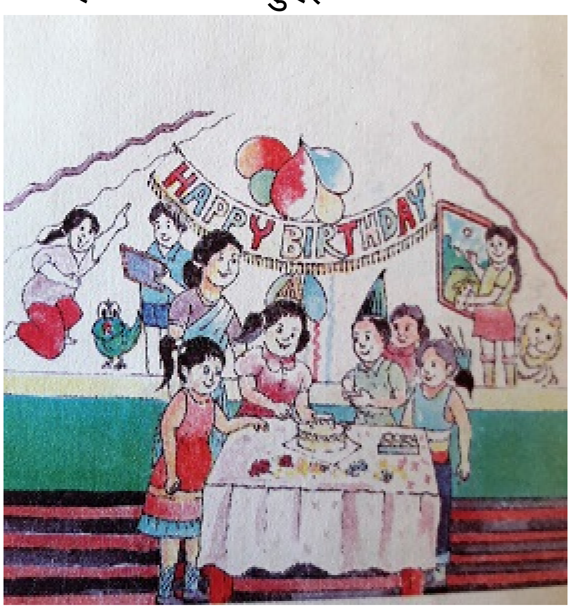

शब्दार्थ

मा-मे ं **मनावा**-मनाया **गवा**-गया **गयेन**-गये **आय**-आया **भवा** -हुआ **बताऊ** -बताओ **जैसेन** -जैसा **तुरंतै** -तुरंत **नीक** -अच्छा

खवायिन-खिलाया **बजायिन** -बजाया

अच्छा बताऊ तुम पंचेन कै जनम दिन कब मनावा जात है

संरक्षण: श्री संजय सिन्हा, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 ,लखनऊ।

अवधारणा एवं निर्देशन: डॉ. अजय कुमार सिंह, संयुक्त शिक्षा निदेशक (एस0एस0ए0), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 लखनऊ।

समन्वय व समीक्षा:

- श्रीमती दीपा तिवारी, सहायक शिक्षा निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 लखनऊ।
- डॉ0 प्रदीप जायसवाल, प्रवक्ता (शोध), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 लखनऊ।
- डॉ0 वन्दना मिश्रा, प्रोग्राम स्टेट प्रोग्राम मैनेजर, केयर इण्डिया, उ0प्र0 लखनऊ।
- श्री मृणाल मिश्रा, सलाहकार केयर इण्डिया, उ0प्र0 लखनऊ।

ई-बुक डिजाईन: श्री आशुतोष आनन्द पूर्व माध्यमिक विद्यालय मियागंज बाराबंकी।

लेखन:

- श्री राम बहादुर मिश्र पूर्व माध्यमिक विद्यालय नरौली, बाराबंकी।
- श्री आशुतोष आनन्द पूर्व माध्यमिक विद्यालय मियागंज बाराबंकी
- **आडियो-** श्रीमती अंजना अवस्थी, ग्राम- रायपुर बाराबंकी।
- **कवर पेज-**: श्री गणेश चन्द्र डे - स्वतंत्र चित्रकार उ0प्र0 लखनऊ।

चित्रांकन एवं डिजाईन: सुश्री प्रतीक्षा चैहान, सलाहकार राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0 लखनऊ।

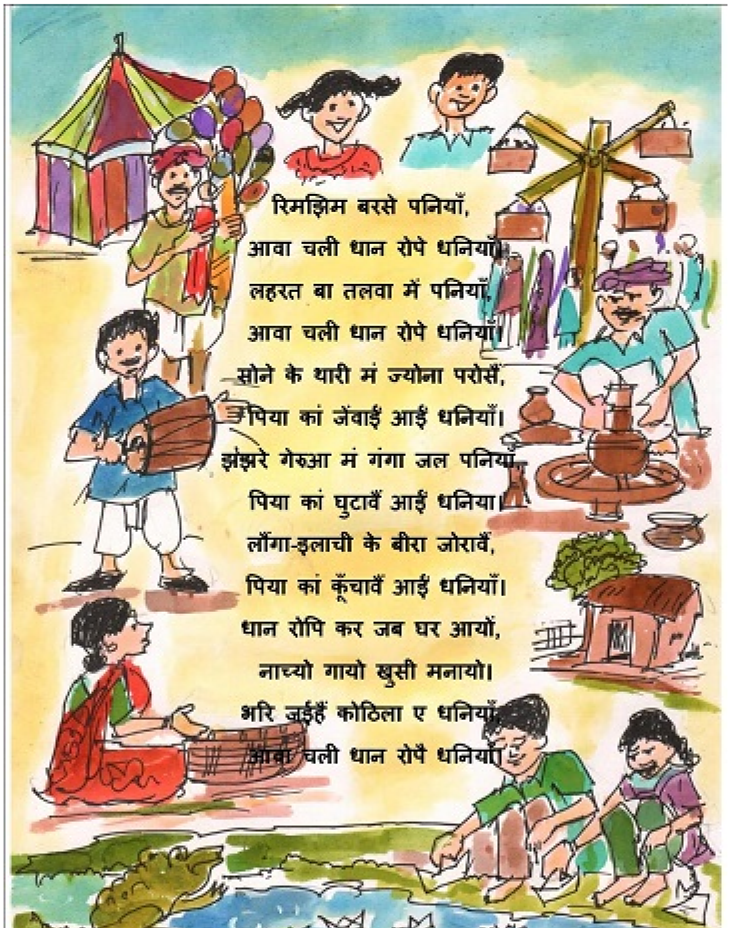

रिमझिम बरसे पनियाँ,
आवा चली धान रोपे धनियाँ।
लहरत बा तलवा में पनियाँ,
आवा चली धान रोपे धनियाँ।
सोने के थारी मं ज्योना परोसैं,
पिया कां जेंवाईं आईं धनियाँ।
झंझरे गेरुआ मं गंगा जल पनियाँ,
पिया कां घुटावैं आईं धनिया।
लौंगा-इलाची के बीरा जोरावैं,
पिया कां कूँचावैं आईं धनियाँ।
धान रोपि कर जब घर आयों,
नाच्यो गायो खुसी मनायो।
भरि जईहैं कोठिला ए धनियाँ,
आवा चली धान रोपै धनियाँ।